

३

| | | | | |
|------------|----------------|----------|---|---------|
| पाना नं० | लौजी नं० | रूपक नं० | हलका नं० | मौजा |
| २०६ | २१५ | १ | ५ | चियांकी |
| रूपाना नं० | प्लॉट नं० | रकबा | चौहदा | |
| २ | १३५५ | ०-०२१ | ३० आन के क्रेग सुधमा | |
| (को) | (तेरह सौ पचपन) | | देवी पति आवध केशरि यादव | |
| | | | द० आन के क्रेग सुधमा कुमारी पति अनिल यादव | |
| | | | पू० पी० सी० सी० रोड प० प्लॉट नं० १३५६ | |

मीरा देवी खेतान
 पुनम कुमारी खेतान

सलाना माल - मौ २- रूपये आलावे शेष-
नाम मालिक - महार १५ सरकार द्वारा
 अंचलाधिकारी मेदिनीनगर पलामू-
 विदित हो कि पशिका राजा के खाना
 संख्या पांच की वर्तित सम्पति जेखनकारी नं०
 एक के पति एवं जेखनकारी नं० दो को रूपये के
 द्वारा खरीदगी श्रेणी है जिस पर शांति-
 पूर्वक अपना-अपना कर्जा दरका कामका
 जीत-कोड होने चला आ रहा है उपर वर्तित
 सम्पति हर तरह से पाक वो साफ है किसी प्रकार
 के कर्जभार देन से मुक्त है और नही कोडे
 कागजी नकशा है सलाना माल देकर माल-
 गुजारी की रसोई हासिल करते चले आ रहे है
 यह न कि इस सम्पत्ति जेखनकारी गपूका
 रूपये नके आते आवक कला करते करने
 अपना-अपना जरूरी कार्य है जो जिमा
 उपर वर्तित सम्पति को विक्री कर रूपये का
 पूर्वक होना आरंभ प्र मालिक हलाना
 लिहाजा उपर वर्तित सम्पति को

उवाह
 मन्सिख कुंजरा की खरखुवीरन
 पांजरा हा कला मौ १३५५
 साह मन्सिख नगर